G20 भारत 2023 INDIA

सत्यमेव जयते
राजभवन
लखनऊ

EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT
एक भारत श्रेष्ठ भारत

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विविधता का वैभव

तेलंगाना (తెలంగాణ) स्थापना दिवस (2 जून) पर

राजभवन, लखनऊ में उत्सव

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

[illegible]/360/[illegible]
राज भवन
लखनऊ - 226 027

02 जून, 2023

आधुनिकता और प्राचीनता के अद्‌भुत संगम तेलंगाना राज्य के स्थापना दिवस (02 जून) पर बहुत–बहुत बधाई और शुभकामनाएं।

भारत के सांस्कृतिक वैभव का प्रतीक राज्य तेलंगाना, विविधता में एकता और सांस्कृतिक आदान–प्रदान की हमारी परम्परा की जीवंत मिसाल है। इसीलिए इसे 'उत्तर के दक्षिण और दक्षिण के उत्तर' के रूप में विशिष्ट पहचान मिली हुई है। जीवन शैली की सादगी, समृद्ध भारतीय खाद्य परम्परा, वास्तुकला और बेहतरीन कलात्मकता की दृष्टि से तेलंगाना राज्य हर तरह से अनुकरणीय है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना के जरिये भारत की हजारों साल की उर्जा को सुरक्षित, संरक्षित और विस्तारित करने का प्रयास किया है। देश के सभी क्षेत्र जब सांस्कृतिक रूप से एकीकृत महसूस करेंगे तभी भारत अपने वास्तविक सामर्थ्य को पा सकेगा।

'नये भारत में विरासत भी है और विकास भी है'– इस कथन को साकार करता भारत का सबसे युवा राज्य तेलंगाना निरंतर प्रगति के पथ पर हो, इसके लिए असीम मंगलकामनाएं।

आनंदीबेन
(आनंदीबेन पटेल)

दूरभाष : 0522-2236497 फैक्स : 0522-2239488 ईमेल : hgovup@gov.in वेबसाइट : www.upgovernor.gov.in

" महान तमिल कवियत्री अव्वैयार ने लिखा है-

"कट्टत केमांवु कल्लादरू उडगड़वु,

कड्डत कयिमन अड़वा कल्लादर ओलाआडू"

इसका अर्थ है कि हम जो जानते हैं, वह महज, मुटठी भर एक रेत है लेकिन जो हम नहीं जानते हैं, वो, अपने आप में पूरे ब्रम्हाण्ड के समान है। इस देश की विविधता के साथ भी ऐसा ही है जितना जाने उतना कम है। हमारी biodiversity भी पूरी मानवता के लिए अनोखा खजाना है जिसे हमें संजोना है, संरक्षित रखना है और एक्सप्लोर भी करना है।

हमें निरंतर अपनी क्रिएटिविटी से, प्रेम से, हर पल प्रयासपूर्वक अपने छोटे से छोटे कामों में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के खूबसूरत रंगों को सामने लाना है, एकता के नए रंग भरने हैं और हर नागरिक को भरने हैं। "

-माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

उत्तर प्रदेश तेलुगु एसोसिएशन के अध्यक्ष डी.एन. रेड्डी और
उपाध्यक्ष हिमाबिन्दु नायक माननीय राज्यपाल को स्मृति चिन्ह देते हुए

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल का सम्बोधन

समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदेश है तेलंगाना

आज मुझे तेलंगाना राज्य के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सहभाग करने का अवसर प्राप्त हुआ।

'तेलुगू तल्लि को वन्दनालु'

(तेलुगू माता को अभिवादन)

'तेलंगाना अवतरण दिनोत्सव संदर्भम् लो मीकन्दरिकि शुभकांक्षलु'।

(तेलंगाना दिवस के परिप्रेक्ष्य में आप सभी को शुभकामनाए)

तेलंगाना का अर्थ है तेलुगूवासियों की भूमि।

2 जून, 2014 को आंध्र प्रदेश के उत्तर-पश्चिमी भाग को अलग कर देश का उनतीसवां राज्य तेलंगाना बनाया गया। इसलिये इसका स्थापना दिवस प्रतिवर्ष दो जून को मनाया जाता है। इस दिन वहां के पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तेलंगाना के कई होटलों में फूड फेस्टिवल का आयोजन भी किया जाता है। तेलंगाना के मुलुगु जिले में स्थित रामप्पा मंदिर काकतीयों की विशिष्ट शैली और नींव 'सैंड बाक्स तकनीक' पर आधारित है, जो यूनेस्को की सूची में विश्व धरोहर स्थल के रूप में दर्ज है। तेलंगाना का प्रसिद्ध वेमुलावाड़ा राजा राजेश्वरा मन्दिर को दक्षिण काशी के नाम से जाना जाता है।

मित्रों, आजादी के बाद तत्कालीन गृहमंत्री एवं लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल ने हैदराबाद के अन्तिम निजाम ओसमान अली खान को केन्द्र से जुड़ने का आग्रह किया था, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। सन् 1948 में भारतीय सेना ने हैदराबाद को कब्जे में ले लिया और आखिरकार हैदराबाद भारत का हिस्सा बन गया। सन् 1956 में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के क्षेत्रों की एक भाषा होने के कारण दोनों का विलय हो गया था। लेकिन कई सालों के आन्दोलन के उपरान्त वर्ष दो

हजार चौदह में तेलंगाना राज्य, आंध्र प्रदेश से अलग होकर एक नया राज्य बना दिया गया।

तेलंगाना हमारे देश में सूचना प्रौद्योगिकी में अग्रणी राज्यों में से एक है और हैदराबाद देश के आई.टी. हब के रूप में जाना जाता है। हैदराबाद में जीनोम वैली से संचालित होने वाले कुछ प्रमुख वैक्सीन उद्योगों के कारण इसे देश की वैक्सीन राजधानी भी कहा जाता है। टी-हब, वी-हब और अन्य नवाचार केन्द्रों के रूप में भी हैदराबाद को एक शीर्ष उभरते शहरों के रूप में पहचाना जाता है।

देश के सबसे युवा राज्य तेलंगाना ने कृषि, सिंचाई और सॉफ्टवेयर निर्यात आदि में निरन्तर पहल के माध्यम से अपने राज्य के सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ाने के मामले में तेजी से प्रगति की है।

मित्रों, पर्यटन की दृष्टि से तेलंगाना की पाकाल झील, गोलकोण्डा और वरंगल दुर्ग यानी किला, एटूरनागाराम, किन्नेर सानी, प्राणहिता और मंजीरा वन्य अभयारण्य जैसे पर्यटन स्थल पर्यटकों को बहुत ही प्रभावित करते हैं।

तेलंगाना में समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परम्पराएं हैं। राज्य में बहुत से अनोखे त्यौहार मनाये जाते हैं। विशेष रूप से 'बथुकम्मा' यानी महिलाओं का पुष्प उत्सव। यह दस दिनों तक चलने वाला एक भव्य उत्सव है, जहां हर गांव में महिलाएं एकत्र होती हैं और देवी गौरी की स्तुति गाती हैं। यह पर्व प्रकृति और नारी की महत्ता का प्रतीक है।

इसी प्रकार देश के सबसे बड़े जनजातीय मेले का आयोजन तेलंगाना में होता है, जिसे मेदराम नामक एक दूरस्थ आदिवासी गांव में सम्मक्का-सरक्कजतारा के नाम से जाना जाता है।

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि तेलंगाना और उत्तर प्रदेश के बीच एक ऐतिहासिक संबंध है। उत्तर प्रदेश से संबंधित राजा किशन प्रसाद जैसे कई प्रशासनिक विशेषज्ञों ने हैदराबाद के निजाम शासकों के अधीन मंत्रियों के रूप में कार्य किया है।

यह भी खुशी की बात है कि अयोध्या से नेपाल के जनकपुरी तक चलने वाली रामायण सर्किट में भारत गौरव यात्रा ट्रेन में तेलंगाना का प्रसिद्ध भद्राचलम मन्दिर भी शामिल है।

इसके साथ ही उत्तर प्रदेश और तेलंगाना के बीच एक और समानता यह है कि दोनों राज्यों में उर्दू व्यापक रूप से बोली जानी वाली भाषा है।

विगत 29 अप्रैल, 2023 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने काशी में 'काशी तेलुगू संगमम्' का उद्घाटन किया था। जैसे काशी ने तेलुगू लोगों को

अपनाया, आत्मसात किया, वैसे ही तेलुगू लोगों ने भी काशी को अपनी आत्मा से जोड़कर रखा है। बनारस की तरह ही तेलंगाना का निर्मल, अदिलाबाद जिला भी लकड़ी के खिलौने के लिए प्रसिद्ध है।

मित्रों, 7 अप्रैल, 2023 को मुझे तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिलेट्स रिसर्च- IIMR का भ्रमण करने का अवसर मिला था। अच्छी सेहत के लिए मोटे अनाज यानी मिलेट्स को अपने आहार में सभी को शामिल करना चाहिए। इसमें कैल्शियम, फाइबर और आयरन की भरपूर मात्रा पायी जाती है।

यह हर्ष का विषय है कि तेलंगाना के हजारों लोग उत्तर प्रदेश में निवास कर रहे हैं और इसके विकास एवं समृद्धि में अपना योगदान दे रहे हैं। प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, आई.आई.टी. और आई.आई.एम. संस्थाओं में भी तेलंगाना के जो लोग अपने सेवाएं दे रहे हैं, उन्हें इस प्रकार के कार्यक्रमों के द्वारा एक-दूसरे से मिलने का अवसर प्राप्त होता है।

यहां उत्तर प्रदेश कैडर के तेलंगाना के आई.ए.एस., आई.पी.एस. एवं आई.एफ.एस. अधिकारी भी उपस्थित हैं, जो 30 वर्ष से अधिक की अपनी सेवाएं देने के पश्चात इस प्रदेश की संस्कृति में कुछ इस प्रकार से रच-बस गये

राजभवन के आई.टी. सेल द्वारा तेलंगाना पर निर्मित वृत्तचित्र का अवलोकन

हैं कि यहीं के निवासी जैसे हो गये हैं। यही हमारी भारतीय संस्कृति की विशेषता है।

मित्रों, हमारा भारत विविधता को विशेषता के रूप में जीने वाला देश है। हम विविधता को उत्सव के रूप में मनाने वाले लोग हैं। हम अलग-अलग भाषाओं और बोलियों को, अलग-अलग कलाओं और विधाओं का उत्सव मनाते हैं। हमारी विविधता हमें बांटती नहीं है, बल्कि हमारे बंधन को और हमारे संबंधों को और मजबूत करती है। आज जब इस प्रकार के आयोजन होते हैं, तो देश की एकता और मजबूत होती है। ऐसे आयोजन उन हजारों-लाखों स्वतंत्रता सेनानियों और महापुरूषों के सपनों को साकार करते हैं, जिन्होंने अपना बलिदान देकर 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का सपना देखा था।

आज के अवसर पर मैं कहना चाहूंगी कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के अन्तर्गत आयोजित हो रहे विभिन्न प्रदेशों के स्थापना दिवस समारोह से जनसामान्य को एक-दूसरे की सांस्कृतिक विरासत को जानने एवं समझने का अवसर मिलता है, तो वहीं भाषा, साहित्य, खान-पान, पर्व और पर्यटक स्थलों की जानकारी लोगों को प्राप्त होती है। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के बीच होने वाली भेंटवार्ता, समझ और प्रशंसा की भावना भी पैदा होती है, जो आपसी संबंधों को

बढ़ावा देती है। और इससे राष्ट्रीय एकता की भावना भी प्रबल होती है।

इसलिये हम सभी को भ्रमणशील होना चाहिए। वर्ष में कम से कम एक बार किसी न किसी प्रदेश के भ्रमण पर अपने परिवार के साथ जाना चाहिए। भ्रमण करने से नयी चीजों को देखने का अवसर प्राप्त होता है। वहां की संस्कृति, खान-पान, रीति-रिवाज, वेशभूषा, रहन-सहन आदि से हमारा परिवार, विशेषकर बच्चे बहुत प्रभावित होते हैं। इससे बाल्यावस्था से ही हमारे बच्चों में सांस्कृतिक विविधता की जानकारी और जुड़ाव की भावना विकसित होगी। इसके साथ ही भ्रमण से लौटने के बाद अपने बच्चों को वहां के अनुभव अन्य लोगों से साझा करने और लिखने के लिये भी प्रेरित करना चाहिए, ताकि यात्रा वृतांत का वर्णन करते समय बच्चों की बौद्धिक शक्ति का विकास हो सके।

मैं आप सभी को एक बार फिर 'तेलंगाना स्थापना दिवस' की बधाई देती हूँ।

जै तेलुगू तल्लि, जै भारत।

- तेलंगाना में बीते 9 वर्षों में रेलवे बजट में लगभग 17 गुना की वृद्धि की गई।
- 8 अप्रैल, 2023 को प्रधानमंत्री जी ने सिकन्दराबाद से तिरूपति के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झण्डी दिखाकर प्रारम्भ किया। बीते 9 वर्षो में हैदराबाद में करीब 70 किलो मीटर का मेट्रो नेटवर्क बनाया गया है।
- हैदराबाद में Multi Modal Transport System (mmts) प्रोजेक्ट का तेजी से विस्तार हो, इसके लिए केन्द्र सरकार ने बजट में तेलंगाना के लिए भरपूर बजट का प्रावधान किया है। इससे नये बिजनेस हब बनेंगे और नये इलाकों में इन्वेस्टमेंट होगा।
- 8 अप्रैल, 2023 को प्रधानमंत्री जी ने तेलंगाना में चार हाईवे प्रोजेक्ट का भी शिलान्यास किया था।
- साल 2014 में जब तेलंगाना का निर्माण हुआ था, तब वहाँ 2500 किलो मीटर के आसपास नेशनल हाईवे थे, आज वहाँ 5 हजार किलो मीटर नेशनल हाईवे की लम्बाई हो गई है। इन वर्षो में केन्द्र सरकार ने तेलंगाना में नेशनल हाईवे बनाने के लिए बड़ी राशि दी है।
- देशभर में 7 मेगा टेक्सटाइल पार्क बनाये जा रहे हैं, जिसमें एक मेगा टेक्सटाइल पार्क तेलंगाना में भी बनेगा।
- तेलंगाना में AIIMS का भी निर्माण हो रहा है। तेलंगाना राज्य ने प्रधानमंत्री जनधन योजना में सौ प्रतिशत कवरेज प्राप्त किया।
- प्रधानमंत्री जी ने 12 नवम्बर, 2022 को रामागुंडम खाद कारखाने का लोकार्पण किया था। रामागुंडम कारखाने से तेलंगाना के साथ-साथ आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के किसानों को मदद मिल रही है।

तेलंगाना देश में सूचना प्रौद्योगिकी के अग्रणी राज्यों में से एक : राज्यपाल

■ लखनऊ (एसएनबी)।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की मौजूदगी में राजभवन में तेलंगाना राज्य का स्थापना दिवस मनाया गया। इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि तेलंगाना हमारे देश में सूचना प्रौद्योगिकी के अग्रणी राज्यों में से एक है और इसे देश की वैक्सीन राजधानी भी कहा जाता है। यह हमारे देश का सबसे युवा राज्य है। इसकी राजधानी हैदराबाद को टी-हब, वी-हब और अन्य नवाचार केन्द्रों के रूप में तेजी से उभर रहे शहर के रूप में भी पहचाना जाता है।

■ आनंदीबेन की अध्यक्षता में राजभवन में आयोजित हुआ तेलंगाना का स्थापना दिवस समारोह

राज्यपाल ने राज्य की स्थापना के बाद से अब तक तेलंगाना में केन्द्र सरकार द्वारा कराये गए विविध विकास कार्यो, स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास, परिवहन सुविधाओं के विकास जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कराए गए कार्यों का स्मरण किया। उन्होंने बताया कि तेलंगाना में बीते 9 वर्षों में रेलवे बजट में लगभग 17 गुना की वृद्धि की गई। इससे नई रेल लाइन बिछाने का काम, रेल लाइनों की डबलिंग का काम तेजी से हुआ। देशभर में बड़े रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाने का जो अभियान शुरू हुआ है, उसका लाभ भी तेलंगाना को मिल रहा है। उन्होंने स्मरण कराया कि हाल ही में 8 अप्रैल को प्रधानमंत्री ने सिकन्दराबाद से तिरुपति के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झण्डी दिखाकर प्रारम्भ किया। बीते 9 वर्षों में हैदराबाद में करीब 70 किलोमीटर का मेट्रो नेटवर्क बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने तेलंगाना में चार हाईवे प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया था। तेलंगाना में नेशनल हाईवे के विकास पर तेजी से हुए कार्य की चर्चा करते हुए राज्यपाल ने बताया कि साल 2014 में जब तेलंगाना का निर्माण हुआ था, तब वहां 2500 किलोमीटर के आसपास नेशनल हाईवे थे। आज वहां 5 हजार किलोमीटर नेशनल हाईवे की लम्बाई हो गई है। इन वर्षों में केन्द्र सरकार ने तेलंगाना में नेशनल हाईवे बनाने के लिए बड़ी राशि दी है। इस समय भी तेलंगाना में बड़े स्तर पर केन्द्र के योगदान से रोड प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि देशभर में 7 मेगा टेक्सटाइल पार्क बनाये जा रहे हैं, जिसमें एक तेलंगाना में भी बनेगा। इससे युवाओं को रोजगार मिलेगा। केन्द्र सरकार तेलंगाना में शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी बहुत निवेश कर रही है। तेलंगाना ने प्रधानमंत्री जनधन योजना में सौ प्रतिशत कवरेज प्राप्त किया है। राज्यपाल ने समारोह में कलाकारों द्वारा प्रस्तुत मोहक प्रस्तुतियों तथा गोवा पर राजभवन के आईटी सेल द्वारा निर्मित डाक्यूमेंट्री की विशेष प्रशंसा की।

यहां उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को इस समारोह में उत्तर प्रदेश में निवासित तेलुगु एसोसिएशन के कलाकारों ने तेलुगु तल्ली गीत, भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के कलाकारों द्वारा तेलंगाना का प्रसिद्ध नृत्य भरतनाट्यम, शिव स्तुति, तिल्लाना और पेरिनी नाट्यम की मनोरम प्रस्तुति की गयी। इसके अतिरिक्त कलाकरों ने तेलंगाना के प्रसिद्ध लोकनृत्यों और जनजातीय समुदाय के नृत्यों की मनोरम प्रस्तुति भी दी।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के तेलुगु एसोसिएशन के अध्यक्ष डीएन रेड्डी ने राज्यपाल को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर उनका अभिनंदन किया। राज्यपाल ने 'तेलुगु तल्लि' चित्र पर माल्यार्पण कर समारोह का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर तेलंगाना निवासी अम्बेडकर विश्वविद्यालय की छात्रा ने भी राजभवन में तेलंगाना स्थापना दिवस के आयोजन पर प्रसन्नता प्रकट करते हुए विचार व्यक्त किए।

समारोह में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, प्रमुख सचिव सचिवालय प्रशासन एवं कार्यक्रम संयोजक रवीन्द्र नायक, तेलुगु एसोसिएशन से जुड़े लोग, भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के कलाकार व राजभवन के अधिकारी उपस्थित थे।

मनाया गया तेलंगाना का स्थापना दिवस

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में शुक्रवार को राजभवन में समारोहपूर्वक तेलंगाना का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर तेलंगाना की लोककलाओं का प्रदर्शन भी किया गया।

तेलंगाना राज्य का स्थापना दिवस शुक्रवार को राजभवन में मनाया गया।

तेलुगु तल्ली गीत और भरतनाट्यम से गूंजा राजभवन

लखनऊ। राजभवन के गांधी सभागार में शुक्रवार को तेलंगाना राज्य का स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। वहीं उत्तर प्रदेश के तेलुगु एसोसिएशन के अध्यक्ष डीएन रेड्डी ने राज्यपाल राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर अभिनंदन किया। इस मौके पर राज्यपाल ने सभी को तेलंगाना स्थापना दिवस की बधाई दी।

तेलंगाना उत्सव

राजभवन में छाई तेलंगाना संस्कृति

धूमधाम से मना तेलंगाना राज्य का स्थापना दिवस समारोह, राज्यपाल ने बताया सबसे युवा प्रदेश

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि तेलंगाना हमारे देश में सूचना प्रौद्योगिकी के अग्रणी राज्यों में से एक है। इसे देश की वैक्सीन राजधानी भी कहा जाता है। यह हमारे देश का सबसे युवा राज्य है। वहा शुक्रवार को राजभवन के गांधी सभागार में आयोजित तेलंगाना राज्य के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रही थीं।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद को टी-हब, वी-हब और अन्य नवाचार केंद्रों के रूप में तेजी से उभर रहे शहर के रूप में भी पहचाना जाता है। राज्यपाल ने तेलंगाना राज्य की स्थापना के बाद से अब तक तेलंगाना में केंद्र सरकार द्वारा कराए गए विविध विकास कार्यों, स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास, परिवहन सुविधाओं के विकास जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कराए गए कार्यों को बताया।

राज्य के प्रसिद्ध उद्योगों, शैक्षणिक संस्थानों, पर्वों, नृत्य एवं संगीत, शिल्प पर्यटक स्थलों, कृषि और पर्यावरण जैसी विशेषताओं पर भी चर्चा की। समारोह में तेलुगु एसोसिएशन के कलाकारों ने तेलुगु तल्ली गीत, भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के कलाकारों ने तेलंगाना का प्रसिद्ध नृत्य भरतनाट्यम, शिव स्तुति, तिल्लाना और पेरिनी नाट्यम की प्रस्तुति दी।

तेलंगाना राज्य के स्थापना दिवस समारोह में कलाकारों के साथ राज्यपाल। -संवाद

राज्य के प्रसिद्ध लोकनृत्यों ने बांधा समां

तेलंगाना के प्रसिद्ध लोकनृत्यों और जनजातीय समुदाय के नृत्यों की प्रस्तुति ने भी समां बांधा। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की तेलुगु एसोसिएशन के अध्यक्ष डीएन रेड्डी ने राज्यपाल को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंट किया। समारोह में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, प्रमुख सचिव सचिवालय प्रशासन एवं कार्यक्रम संयोजक रवीन्द्र नायक आदि मौजूद रहे।

तेलंगाना में है संस्कृति की सुगंध

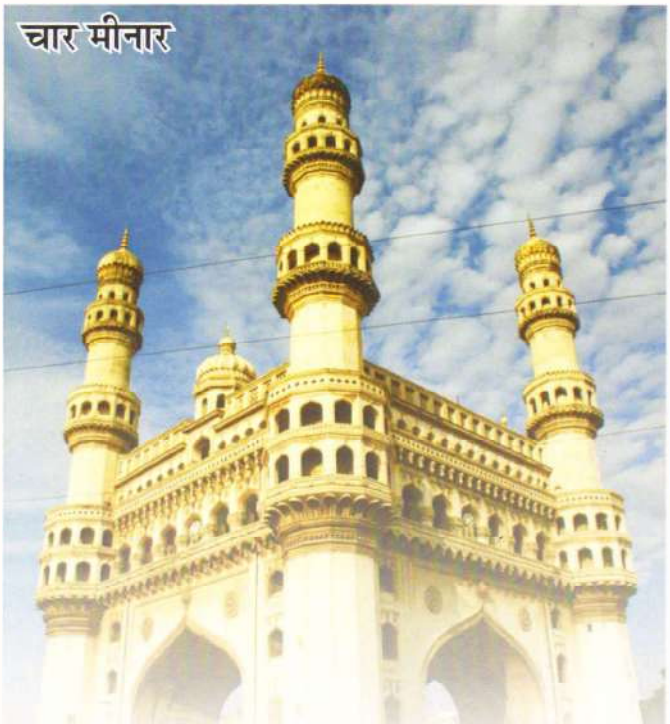

चार मीनार

तेलंगाना भारत का वह राज्य है जहाँ भारत की विविधताओं के एक साथ दर्शन होते हैं। इसे 'उत्तर के दक्षिण और दक्षिण के उत्तर' के रूप में जाना जाता है। विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों की संगम भूमि तेलंगाना में हमे विरासत के भी खूब दर्शन होते हैं और विकास के भी। भारत का यह 29 वाँ राज्य वास्तव में उम्मीदों का भी राज्य है। भारतीय खाद्य परंपरा का यहाँ बखूबी संरक्षण हुआ है और यह राज्य अपने परम्परागत खानपान के लिए भी आकर्षण का केन्द्र है।

तेलंगाना की प्रमुख नदियों कृष्णा और गोदावरी की वजह से राज्य में सिंचाई की अच्छी सुविधा है। तेलंगाना की अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्वपूर्ण योगदान है। राज्य की सत्तर फीसदी आबादी कृषि पर निर्भर है। यहाँ की समृद्ध उपजाऊ भूमि चावल, कपास, मक्का और दालों साहित उनेक फसलों के लिए उपयुक्त है। यहाँ तंबाकू और आम की फसल भी खूब होती है।

सूचना प्रौद्योगिकी (आई.टी.) के क्षेत्र में तेलंगाना का बड़ा नाम है। राजधानी हैदराबाद इसके लिए विख्यात है जहाँ अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियों के कार्यालय संचालित हैं। तेलंगाना में प्रसिद्ध उस्मानिया विश्वविद्यालय है जिसे सन् 1918 में स्थापित किया गया था। यह देश के सबसे पुराने विश्वविद्यालयों में से एक है। हैदराबाद विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान और अंतर्राष्ट्रीय सूचना

प्रौद्योगिकी संस्थान राज्य के कुछ अन्य उल्लेखनीय शैक्षणिक संस्थान है।

तेलंगाना अपनी समृद्ध हथकरघा बुनाई परंपराओं के लिए भी प्रसिद्ध है, विशेष रूप से वारंगल, निजामाबाद और आदिलाबाद जिलों में महीन रेशमी साड़ियाँ जो हथकरघा पर बुनी जाती हैं और अपने चटक रंगों के लिए प्रसिद्ध हैं। यहाँ की पोचमपल्ली और गड़वाल साड़ी बेहद लोकप्रिय है। पोचमपल्ली साड़ी को बौद्धिक संपदा अधिकार का सरंक्षण भी प्राप्त है और इसे जी आई टैग हासिल है। तेलंगाना को बेहतरीन ऐतिहासिक कपड़ा बनाने हेतु भी जाना जाता है। यहाँ आज भी महिलाएं साड़ी पहनने को तरजीह देती हैं।

तेलंगाना अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए बड़ा आकर्षण का केन्द्र है और इसीलिए यह राज्य हर वर्ष लाखों पर्यटकों की अगवानी करता है। तेलंगाना के मुख्य पर्यटक स्थलों में चारमीनार, फलकनुमा पैलेस, गोलकुंडा किला, कुतुब शाही महबरा, आदिलाबाद में कुंतला वॉटरफॉल, संगारेड्डी में श्री मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर, मंजीरा वाइल्डलाइफ, मंजीरा डैम, निजामाबाद में स्थित श्री राम सागर बांध, निजाम सागर बांध, श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर, निजामाबाद का किला एवं अन्य ऐतिहासिक इमारतें शामिल हैं। तेलंगाना राज्य के प्रसिद्ध तथा आकर्षक केंद्रों में खम्मम भी शामिल है। यह स्थान प्राचीन समय में

राजाओं की राजधानी हुआ करता था। कहा जाता है कि यहां पर बना हुआ राजशाही भवन हजार वर्ष पुराना है। खम्मम के मुख्य रूप से चार चांद लगाने वाले स्थान में किन्नरसानी वन्यजीव अभयारण्य है। इतना ही नहीं, यहां रामागुंडम बांध तथा भद्राचलम राम मंदिर अत्यंत प्राचीन और आकर्षक है, जो पर्यटकों को अपनी ओर लुभाते हैं। यहाँ वारंगल का

हजार स्तंभ मंदिर, वारंगल यूनेस्को की शीर्ष विरासत स्थलों की सूची में है। यह 12वीं शताब्दी में बनाया गया था। भुवनागिरी का लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर भी बड़ी आस्था का केन्द्र है, जहाँ बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

तेलंगाना में लोग विविध प्रकार के लोक पर्व भी मनाते हैं जिसमें बथुकम्मा लोक पर्व प्रमुख है । बोनालु का पर्व भी बहुत ही खास तरह से मनाया जाता है जो यहां के लोगों की आस्था के साथ एक विशेष महत्व भी रखता है। तेलंगाना कुचिपुड़ी और भरतनाट्यम सहित कई शास्त्रीय नृत्य रूपों का घर है। तेलंगाना अपने प्राचीन लोक नृत्य पेरिनी तांडव के लिए भी जाना जाता है। पेरिनी शिव तांडवम एक नृत्य है जो आम तौर पर पुरूषों द्वारा किया जाता है। इसे 'डांस ऑफ वॉरियर्स' भी कहा जाता है। इसी के साथ यहां गुस्साड़ी लोक नृत्य भी काफी प्रसिद्ध है जो आंध्र प्रदेश में भी गोंड जनजाति के लोगों द्वारा किया जाता है। आदिलाबाद जनपद में 'राजगौंड' जनजाति का विशिष्ट स्थान है। इनके द्वारा मनाये जाने वाले उत्सवों में इनकी संस्कृति की स्पष्ट झलक मिलती है।

एशिया का सबसे बड़ा जनजातीय मेला 'मेदराम जात्रा' तेलंगाना मे मुलुगु जिले में आयोजित होता है जिसे

कुंभ के बाद सबसे बड़ा मेला माना जाता है। तेलंगाना की कोया जनजाति द्वारा मनाया जाने वाला यह मेला चार दिनों तक चलता है । राजकीय त्यौहार घोषित यह मेला दो वर्ष में एक बार माघ पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होता है। इस मेले में भारत की सभ्यता और सांस्कृतिक विरासत की अद्‌भुत छटा देखने को मिलती है। पर्यटकों का भारी हुजूम इस मेले में उमड़ता है।

तेलंगाना का पारंपरिक व्यंजन पोलेलु है। पोलेलु को बक्सालू के नाम से भी जाना जाता है जो तेलंगाना का पारंपरिक व्यंजन है। यह गुड़, चना दाल, घी और इलायची पाउडर का मिश्रण है। इसके साथ ही यहाँ इडली, डोसा, ईरानी चाय, सकीनालु, हैदराबादी स्पेशल बिरयानी काफी प्रसिद्ध है। तेलंगाना में ज्यादातार व्यंजन रोटी आधारित होते हैं जैसे जॉन्न रोटी, डिब्बा रोटी, सज्जारोटी, उत्पदी पिंडी आदि।

एक नजर में तेलंगाना

राजधानी	हैदराबाद (संयुक्त राजधानी)
कुल जिले	33
क्षेत्रफल	1,14,840 वर्ग किलोमीटर
जनसंख्या	3,51,93,978
घनत्व	306/वर्ग किलोमीटर
राजभाषा	तेलुगू
राज्य गठन	2 जून, 2014
प्रसिद्ध भोजन	इडली, डोसा
विधान सभा सीट	119
विधान परिषद सीट	46
लोकसभा सीट	17
उच्च न्यायालय	हैदराबाद
राजकीय पक्षी	नीलकंठ
राजकीय पशु	हिरण
राजकीय फूल	टँगेडू
राजकीय वृक्ष	जम्मी चेट्टू
राजकीय फल	आम

तेलुगु तल्ली गान प्रस्तुत करते हुए छात्र

तेलंगाना उत्सव पर सांस्कृतिक प्रस्तुति

तेलंगाना उत्सव पर विभिन्न नृत्य

माननीय राज्यपाल से मुलाकात करते कलाकार

तेलंगाना उत्सव में लोगों से मिलते हुए माननीय राज्यपाल

Adilabad
Kumurambheem Asifabad
Nirmal
Mancherial
Jagtial
Nizamabad
Peddapalli
Jayashankar Bhupalpally
Rajanna Sircilla
Karimnagar
Kamareddy
Mulugu
Siddipet
Hanumakonda
Medak
Warangal Rural
Bhadradri
Kothagudem
Sangareddy
Jangaon
Medchal
Malkajgiri
Mahabubabad
Hyderabad
Yadadri Bhuvanagiri
Vikarabad
Khammam
Rangareddy
Suryapet
Mahabubnagar
Nalgonda
Narayanpet
Wanaparthy
Nagarkurnool
Jogulamba
Gadwal

Dr. Tamilisai Soundararajan

सत्यमेव जयते
GOVERNOR
TELANGANA

RAJ BHAVAN
Hyderabad - 500 041

June 13, 2023.

Honourable Governor,

I would like to extend my heartfelt thanks for your kind greetings and best wishes on the auspicious occasion of Statehood Day of Telangana.

I deeply appreciate your support and encouragement, and I look forward to continued warmth and support.

With warm regards,

Yours sincerely,

(Dr. Tamilisai Soundararajan)

Smt. Anandiben Patel,
Hon'ble Governor of Uttar Pradesh,
Raj Bhavan,
Lucknow-226 027.

भारत गौरव

भूलोक का गौरव, प्रकृति का पुण्य लीला-स्थल कहाँ?
फैला मनोहर गिरि हिमालय और गंगाजल जहाँ।
सम्पूर्ण देशों से अधिक किस देश का उत्कर्ष है?
उसका कि जो ऋषि भूमि है, वह कौन? भारतवर्ष है।। 15।।

शैशव दशा में देश प्राय: जिस समय सब व्याप्त थे,
नि:शेष विषयों में तभी हम प्रौढ़ता को प्राप्त थे।
संसार को पहले हमीं ने ज्ञान-भिक्षा दान की,
आचार की, व्यापार की, व्यवहार की, विज्ञान की ।। 45।।

'हाँ' और 'ना' भी अन्य जन कहना न जब थे जानते,
थे ईश के आदेश तब हम वेद मंत्र बखानते।
जब थे दिगम्बर रूप में वे जंगलों में घूमते,
प्रासाद-केतन-पट हमारे चन्द्र को थे चूमते ।। 46।।

जब मांस-भक्षण पर वनों में अन्य जन थे जी रहे,
कृषि-कार्य करके आर्य तब शुचि सोमरस थे पी रहे।
मिलता न यह सात्विक सु-भोजन यदि शुभाविष्कार का,
तो पार क्या रहता जगत में उस विकृत व्यापार का ।। 47।।

कविवर मैथिलीशरण गुप्त : भारत-भारती

प्रकाशक : राजभवन, लखनऊ । सम्पादक : विनय जोशी । मुद्रक : प्रकाश पैकेजर्स, लखनऊ